Sl.No. :

नामांक Roll No.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | |

No. of Sections – 3

No. of Printed Pages – 7

**SS–32–SH. HD. (Hindi)**

# उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

## SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2025

## हिन्दी शीघ्रलिपि

## (SHORTHAND HINDI)

**समय** : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

**पूर्णांक** : 40

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

**परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :**

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।

3) प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में 5-5 मिनट का मध्यान्तर दिया जाये । तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए (2¾) घंटे का समय दिया जाए ।

4) केवल निम्न विराम–चिह्न ही लगाएँ :

   पूर्ण विराम, अर्द्ध–विराम और प्रश्न–चिह्न एवं कोष्ठक ।

5) संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र / कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाय । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।

6) संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर–पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।

7) संकेत लिपि के 20% अंक रखे गये हैं ।

8) खण्ड प्रथम 4 मिनट, खण्ड द्वितीय 5 मिनट तथा खण्ड तृतीय 7 मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड 80 शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

यहाँ से काटिए

## प्रथम–खण्ड

(इसे 80 शब्द प्रति मिनट से लिखा जाए)

संकेत लिपी – 02

टंकण लिपी – 08

कुल अंक – 10

मुख्यमंत्री कार्यालय

सं.– 95 (537)/2024 लखनऊ

12 मई, 2024

सेवा में

निर्देशक

चाणक्य अस्पताल

अमृत बाजार/ [¼]

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश

प्रिय महोदय,

1. आपके दिनांक 20.1.24 के पत्र प्रमाण पत्र का संदर्भ/लेवें, जो श्री केशर चंद के केन्सर रोग [½]
उपचार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता/के संबंध में है। [¾]
(चिकित्सालय संदर्भ संख्या –1) शल्य चिकित्सा ईलाज में होने वाले व्यय की आंशिक//पूर्ति के [1]
लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 3,10,000 ₹ अनुदान सिद्धांततः स्वीकृत किया जाता है/। [1¼]

2. चिकित्सालय, इस पत्र के प्राप्त होने के बाद रोग पीडित के केन्सर उपचार की जिम्मेदारी वहन/ [1½]
करेगा व होने वाले वास्तविक व्यय का विवरण निर्धारित प्रपत्र (पूर्व में प्रेषित किया जा चुका है) में
इस/कार्यलय को शीघ्र सीधे ही उपलब्ध कराए ताकि इस कार्यालय द्वारा भुगतान जारी किया जा सके [1¾]
जारी की जाने वाली//अनुदान राशि निर्धारित अवधि के दौरान हुए व्यय तक सीमित रहेगी जो की [2]
स्वीकृति की समस्त घन राशि तक होगा/ । [2¼]

3. इस स्वीकृति पत्र के आधार पर किसी भी प्रकार की चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराते समय
चिकित्सालय/रोगी की पूर्णतः सत्यता सुनिश्चित करेगा । किसी प्रकार के संदेह की स्थिति में इस [2½]
कार्यलय को तत्काल अवगत/कराया जाए । चिकित्सालय द्वारा जारी व्यय अनुमान राशि की प्रति [2¾]
संदर्भ हेतु संलग्न है ।

4. मुख्यमंत्री कार्यालय//में आवेदक का अनुरोध प्राप्त होने की तारीख 8 मई 2024 है । आर्थिक सहायता [3]
इस पृष्ठ के पीछे दर्ज/शर्तों व पूर्व में स्पष्ट किए गए नियमों व शर्तो के अनुसार होगी । इस स्वीकृत पत्र [3¼]
की वैधता इसके/जारी होने की तारीख से 3 वर्ष तक होगी । परन्तु चिकित्सालय स्वीकृति पत्र के जारी [3½]
होने की तारीख से डेढ/1 से 2 वर्ष के भीतर उपचार शुरु करेगा । [3¾]

भवनिष्ठ,

सही/–

उप–सचिव (कोष)// [4]

## द्वितीय–खण्ड

(इसे 80 शब्द प्रति मिनिट की गति से लिखा जाए)

संकेत लिपी – 02

टंकण लिपी – 08

कुल अंक – 10

शेर सिंह एण्ड कम्पनी
(कृषि यंत्रों के थोक व्यापारी)
मो.सं./3214567890
ई – मेल : शे.न.म.ल.र. @ 7 जी मेल/.कॉम

20/5, अष्टम चरण,
औद्योगिक क्षेत्र
सिविल लाइन के पास, [¼]
भदोही (उ.प्र.) [½]

पत्र क्रमांक : 15/2/527

दिनांक : 10 जनवरी, 2025/ [¾]

सर्व श्री. नारायण अमृतदेव एण्ड संस,

कृषि बाजार,/ नवीन नगर रोड़,

अमृतसर (पंजाब)

विषय : कृषि//समान के आदेश के क्रम में। [1]

प्रिय महोदय,

आपके द्वारा प्राप्त पत्र सं. 11/2970 दिनांक 10/11.2024 के संदर्भ में निवेदन है कि आप [1¼]
निम्नलिखित कृषि यंत्र सामान शीघ्र भिजवाने की कृपा करें / :– [1½]

01. ट्रोली 10 नग ₹ 60,000 प्रतिनग

02. हल 20 नग ₹ 11,000 प्रतिनग

03. कल्टीवेटर10 नग ₹ 8,000 प्रतिनग [1¾]

04. थ्रेसर 5 नग ₹ 30,000 प्रतिनग

05. कुट्टी मशीन // 6 नग ₹ 18,000 प्रतिनग [2]

06. फव्वारे 20 नग ₹ 1,000 प्रतिनग

07. कुदाली 30 नग / ₹ 300 प्रतिनग [2¼]

08. तगारियां 50 ₹ 80 प्रतिनग

09. कटाई मशीनें 06 ₹ 17,000 प्रतिनग / [2½]

इस आदेश पत्र के साथ ही हम इस बिल की आधी राशि का भुगतान चैक सं. 03376245 दिनांक 5 जनवरी / 2024 का बनाकर व संलग्न कर आपको भेज रहे है तथा शेष राशि माल [2¾] प्राप्ति के चार दिन के अन्दर // चैक द्वारा भेजी जायेगी। [3]

आपकी संस्था की शर्तों के अनुसार 65,000 ₹ से अधिक माल क्रय करने पर ईनामी/ [3¼] चैक का प्रावधान रखा गया था । हम इस संदर्भ में इस बात का ध्यान आकर्षित करना चाहते है । /साथ [3½] ही यह बताना चाहते है कि गतवर्ष में हमने आपसे 60 लाख ₹ के माल का क्रय किया था । /इस [3¾] हेतु आपने हमारे संस्थान के किन्ही दो सदस्यों को 5 दिनों के लिए विदेश यात्रा करवाने का आश्वासन भी // दिया था । माल पहुंच के संदर्भ में यह भी शर्त रखी गई थी कि माल को पहुंचाने [4] के लिए/अतिरिक्त चार्ज नही लिया जाएगा तथा माल सुरक्षित पहुंचाने का प्रयास किया [4¼] जाएगा ।

भवदीय

शेरसिंह एण्ड कम्पनी के लिए/ [4½]

सही/–

साझी

(पुनश्च–कृपया हमारा माल राजस्थान पंजाब उ.प्र.। ट्रांसपोर्ट कम्पनी से ही भेजें जिससे हमें/ शीघ्रता से [4¾] माल प्राप्त हो सके तथा माल रवाना करते ही इसकी एक प्रति हमें भिजवाने का श्रम करें ।)// [5]

## तृतीय खण्ड

(इसे 80 शब्द प्रति मिनट की गति से लिखा जाए)

शीघ्र लिपी – 04

टंकण लिपी – 16

कुल अंक – 20

### त्योहारों का महत्व

भारतवर्ष एक त्योहार प्रधान प्रमुख देश है। भारतीय जन मानस सदैव हर्षोल्लास के साथ जीवन यापन/करना चाहता है। प्राय: जीवन सुख – दु:ख, मिश्रित बदलता रहता है। त्योहार ही ऐसे साधन है [¼]
/जो जीवन को प्रफुल्लित करके नई आशा और उत्साह से परिपुर्ण कर देते है। भारत में त्योहारों की [½]
संख्या/अत्यधिक है। तीज त्योहार हमारी संस्कृति के अभिन्न अंग है। [¾]

दीपावली, होली, रक्षाबंधन तथा दशहरा ये//चार त्योहार संपूर्ण देश में मनाये जाते है। ये त्योहार [1]
अपना राष्ट्रीय महत्व रखते है। छोटे – बड़े/गरीब – अमीर सभी हर्षोल्लास के साथ मनाते है। ये त्योहार [1¼]
भारत की समन्वय प्रधान संस्कृति के परिचायक है/। क्योंकि हिन्दू – मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य [1½]
धर्मावलम्बी भी समूचे देश की जनता एक साथ मिल कर/इन त्योहारो को मनाती है। [1¾]

भारतीय संस्कृति एक अगाध सागर के समान है जिसमें विभिन्न संस्कृतियों का समावेश हुआ// है। [2]
इस भौतिक युग में भी इन त्योहारों का महत्व है। त्योहार हमारी संस्कृति के आधारभूत स्तम्भ है/। अत: [2¼]
यह निश्चित है कि भारतीय परम्परा और संस्कृति को जीवन्त रखने के लिए त्योहारों की महत्वपूर्ण भूमिका/है। [2½]

त्योहारों का मनोवैज्ञानिक महत्व भी है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहां पर बहुसंख्यक लोग खेती/पर आश्रित है। त्योहार के अभाव में मशीन की तरह काम करते करते उसका जीवन निर्जीव और [2¾]
नीरस बन //जाएगा। ये त्योहार कृषि कार्यो में बीज बोने, फसल पकने और फसल काटने के समय [3]
ही मनाए जाते/है। होली इसी प्रकार का त्योहार है। होली के बाद ही फसल काटने का काम शुरु होता [3¼]
है/। पंजाब में वैशाखी और लोहड़ी ऐसे ही कृषि से संबंधित त्योहार है। दक्षिण भारत में ओणम और [3½]
पोंगल/ भी ऐसे ही त्योहार है। [3¾]

ऋतु के अनुसार ही त्योहारों का समावेश किया गया है । भारत में हर//दो महीने बाद ऋतु परिवर्तन होता है । वसन्त के त्योहार भी उद्यान और उपवनों में वृक्ष, लता और/गुल्मों को देखकर किसका मन मयूर नहीं नाच उठेगा । पीले सरसों के फूल तथा लाल टेसू के फूलों की/छटा किसे आकृष्ट नहीं करेगी । वर्षा ऋतु भी कम मन मोहक नहीं होती । वर्षा ऋतु में तीज,/नाग पंचमी और रक्षाबंधन के त्योहार खूब धूम धाम से मनाए जाते है । वर्षा की रिमझिम में तीज// का त्योहार नारी मन को उद्वेलित किए बिना नहीं रहता है । रक्षाबंधन भाई बहिन के अटूट प्रेम का/प्रतीक है । [4] [4¼] [4½] [4¾] [5] [5¼]

कुछ त्योहार हमारी ऐतिहासिक घटनाओं के भी साक्षी है । दशहरा इसी प्रकार का त्योहार है/राम ने रावण को मार कर विजय प्राप्त की थी । दशहरे के विषय में कहा जाता है कि दश (/दस मुख वाला रावण) व 'हरा' (विजय) इस प्रकार दशहरे का नाम करण हुआ है । सत्य की असत्य पर तथा //न्याय की अन्याय पर विजय ही है इसलिए इसका नाम विजयादशमी से भी जाना जाता है । [5½] [5¾] [6]

भारतीय त्योहार सेवा/, सहयोग और भाई चारे की भावना से ओत प्रोत है । त्योहार के दिन आपस में मिलते जूलते है इससे /मन में पवित्रता और शुद्ध भावना का संचार होता है । [6¼] [6½]

वर्तमान स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय त्योहारों का भी अपना /एक विशेष महत्व है । ये त्योहार समूचे देश को एकता की कड़ी में जोड़ने का काम करते है ।// [6¾] [7]

◆ ◆ ◆

DO NOT WRITE ANYTHING HERE